सांध्य दैनिक 4PM

चाहे जिंदगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

-स्टीफन हॉकिंग

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 336 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 17 जनवरी, 2024

2024 नया साल ही नहीं परिवर्तन का... 2 | यूपी की नई सियासत कहीं बन न... 3 | ग्रीन हाइड्रोजन से दुनिया के सपने... 7

'भाजपा कभी भी भगवान श्रीराम के रास्ते पर नहीं चल सकती'

अब जनता बहकावे में नहीं आएगीः अखिलेश

राम मंदिर के नाम पर जश्न मनाकर और चारों ओर हो हल्ला मचाकर भाजपा चाहें जितना लोगों को गुमराह कर ले, लेकिन भाजपा कभी भी भगवान श्रीराम के रास्ते पर नहीं चल सकती और न ही भगवान श्रीराम पर अपना अधिकार जमा सकती है। इसलिए अब जनता भाजपा के बहकावे में नहीं आएगी। ये कहना है समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के **पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव** का। भरी सर्दी में देश के गर्म चुनावी मौसम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने छात्र जीवन और मिलेट्री स्कूल से लेकर वर्तमान समय की राजनीति, इंडिया गठबंधन की आगे की प्लानिंग, इंडिया गठबंधन में मायावती की एंट्री, कांग्रेस और सपा के बीच के सामंजस्य और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जाने से लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को किस तरह से पटखनी देनी है तक इन तमाम मुद्दों पर समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा बनाए गए फिनिक्स पलासियो मॉल में **4पीएम के संपादक संजय शर्मा** के साथ चर्चा की। प्रस्तुत है इस चर्चा के कुछ प्रमुख अंशः-

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

➢ **अग्निवीर योजना पर आपका क्या मानना है? इंडिया गठबंधन की बैठक में भी आपने अग्निवीर योजना को बंद करने का प्रस्ताव रखा?**

➢ समाजवादी पार्टी कभी भी अग्निवीर योजना के पक्ष में नहीं है। अग्निवीर योजना सिर्फ गांव में रहने वाले पिछड़ों-दलितों के फौज में भर्ती होने से बेहतर हो रहे स्टेटस को रोकने के लिए लाई गई है। मैं देश के नौजवानों से आव्हान करूंगा कि इस बार भाजपा के इस फैसले के खिलाफ मतदान करें। समाजवादी पार्टी आने वाले दिनों में पक्की नौकरी और पक्की वर्दी पहनाएगी। इतना ही नहीं हम किसानों के कर्ज माफी के बारे में भी योजना बनाएंगे।

➢ **इंडिया गठबंधन तो बनकर तैयार है, लेकिन सपा और कांग्रेस के बीच तो सास-बहू जैसी लड़ाई चल रही है। ये क्यों?**

➢ हमारे बीच कोई लड़ाई नहीं है। इंडिया गठबंधन कैसे मजबूत हो उसके लिए समाजवादी पार्टी काम करेगी और गठबंधन के सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने का काम करेगी। हां, बड़ी पार्टियों को छोटे दलों को आगे निकलने का मौका देना चाहिए।

➢ **समय कम है सभी कह रहे हैं। लेकिन फिर भी आप और कांग्रेस अब तक सीट बंटवारे पर बात नहीं बना पाए हैं?**

➢ मेरी तरफ से सीटों को लेकर कोई विवाद नहीं है। आप देखें भाजपा के जो प्रत्याशी हैं वो पांच लाख से ज्यादा वोट पा रहे हैं। इसलिए हमें और गठबंधन के दलों को वो प्रत्याशी उतारना पड़ेंगे जिसको 5 लाख से ज्यादा वोट मिल जाएं। इसके लिए उन्हें अपने विशेषज्ञों से ये बात करना चाहिए और आंकड़े निकालने चाहिए कि ऐसा कैसे किया जा सकता है। वो हमें सुझाव दे दें, हम हर सुझाव के लिए तैयार हैं।

4PM विशेष साक्षात्कार

कांग्रेस का कहना है कि अगर आपको ही मौका देते रहेंगे तो हम उत्तर प्रदेश में सिमट जाएंगे?

सवाल किसी पार्टी को बनाने का नहीं है, सवाल ये है कि भाजपा से संविधान को कैसे बचाना है। इसलिए इंडिया गठबंधन के दल एक साथ आए हैं। हमें उम्मीद है कि इस बात को वो महसूस करेंगे। क्योंकि समय बहुत कम बचा है। भाजपा ने पूरी तैयारी कर ली है। दिल्ली-यूपी में उनकी सरकार है, हर जगह आरएसएस-भाजपा के लोग बैठे हैं, इसलिए लड़ाई बड़ी है। हमें समय रहते मुकाबला करना होगा।

➢ **आप कह रहे हैं कि कांग्रेस के पास ऐसे प्रत्याशी ही नहीं हैं जो पांच लाख से ज्यादा वोट पा सकें?**

➢ मैं ये नहीं कह रहा हूं। इंडिया गठबंधन में उत्तर प्रदेश में सपा, कांग्रेस, आरएलडी या जो भी साथी साथ आएं, हमें ये रणनीति बनानी पड़ेगी कि वो प्रत्याशी 5 लाख से ज्यादा वोट पा सके।

फोटोः सुमित कुमार

➢ **यूपी कांग्रेस के एक बड़े नेता हैं वो चाहते हैं कि मायावती भी इंडिया गठबंधन में शामिल हो जाएं, लेकिन अखिलेश यादव नहीं मान रहे हैं?**

आप 4PM हैं पर कुछ चैनल FOR PM की तरह कर रहे हैं काम

मैं आपके चैनल को बधाई देता हूं, क्योंकि आपका चैनल है 4पीएम, जबकि बाकी जो चैनल हैं वो फॉर पीएम हैं। यानी वो पीएम मोदी के लिए काम कर रहे हैं, जबकि आप सच्चाई को दिखाते हैं और जमीनी हकीकत को सामने रखते हैं। कम से कम आप घबराते और डरते नहीं हैं। जो बाकी बड़े-बड़े चैनल हैं वो सरकार के बजट से या पॉलिटिकल पार्टी के बजट से चल रहे हैं, लेकिन आपका चैनल सब्सक्राइब होकर चल रहा है। इसलिए आपका चैनल फॉर पीएम नहीं 4पीएम है।

➢ हम उनका (बसपा) बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन उनका दल भाजपा को हराने का काम कम करता है, सपा को हराने का काम ज्यादा करता है। अगर पिछले चुनावों और उनके प्रत्याशियों को देख लें तो बसपा ऐसे ही प्रत्याशी उतारती है, जिससे समाजवादी पार्टी को नुकसान हो जाए।

➢ **मतलब आप नहीं चाहते कि इंडिया गठबंधन में मायावती की एंट्री हो?**

➢ मेरे चाहने न चाहने का सवाल नहीं है, सवाल ये है कि हमें ऐसा कोई कदम नहीं उठाना है जिससे भाजपा को लाभ पहुंचे।

➢ **कांग्रेस ने मायावती के गठबंधन में शामिल होने को लेकर क्या आपसे कभी चर्चा की?**

➢ कांग्रेस से मुझसे किसी ने ये बात नहीं की। जो लोग ये चर्चा चाहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि ये समय नहीं है चर्चा का। समय खराब नहीं करना है। जिस तरह से भाजपा तैयारी कर रही है, सांस लेना तक मुश्किल हो जाएगा। ऐसी तस्वीरें, ऐसे वीडियोज टीवी पर आने लगेंगे। हमें पता होना चाहिए हम किस दल से लड़ने जा रहे हैं। हमें समय नहीं खराब करना है। इसलिए सपा ने नए साल के पहले दिन से ही संगठन स्तर पर तैयारी करनी शुरू कर दी है। मेरी कोई राय नहीं है। भाजपा को हराने के लिए क्या समीकरण हैं, बता दें हमें। सबसे बड़ी बात कल को गारंटी कौन लेगा? किसी पार्टी की गारंटी कौन लेगा? मैं तो सिर्फ अपनी गारंटी ले सकता हूं। मैं राजनीति में किसी भी दल की या नेता की गारंटी नहीं ले सकता।

➢ **अगर मायावती ने अधिकांश सीटों पर मुसलमान प्रत्याशी उतार दिए तो मुस्लिम वोट बंट जाएगा और यूपी में मुस्लिम वोट काफी महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ये धारणा बना रही है कि मुस्लिम वोट इस बार उसकी तरफ है।**

➢ कांग्रेस क्या धारणा बना रही है, ये सभी समझते हैं। इसीलिए मैं कह रहा हूं ये वो समय नहीं है कि आप कोई साजिश करें या षड्यंत्र रचें। ये समय है जब सभी साथी जिनकी एक धर्मनिरपेक्ष प्रमाणिकता है, एकसाथ आकर भाजपा का मुकाबला करें।

(विस्तृत साक्षात्कार पेज 4-5 पर)

प्राण प्रतिष्ठा का काम नेताओं का नहीं : ममता

» बोलीं- 22 जनवरी को बंगाल में निकलेगी सद्भावना रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जहां एक तरफ पूर्व से पश्चिम तक कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रही है। वहीं दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 22 जनवरी को कोलकाता में सद्भावना रैली करेंगी। गौरतलब है कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को ही आयोजित किया जा रहा है। उसी दिन, पश्चिम बंगाल में सद्भावना रैली की जाएगी। टीएमसी की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह कालीघाट मंदिर में देवी काली की पूजा करने के बाद दक्षिण कोलकाता के हाजरा क्रॉसिंग से सद्भाव रैली शुरू करेंगी।

ममता बनर्जी ने कहा कि 22 जनवरी को मैं कालीघाट मंदिर जाऊंगी, वहां पूजा करूंगी। जिसके बाद सभी धर्मों के लोगों के साथ एक सद्भावना रैली में शामिल होऊंगी। राज्य सचिवालय ने कहा कि इस कार्यक्रम का किसी अन्य कार्यक्रमों से कोई लेना-देना नहीं हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से राज्य के सभी जिलों में रैली आयोजित करने को कहा है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह पुजारियों का काम है, न कि राजनेताओं का। हमारा काम राज्य को आधारभूतसुविधाओं से सुदृढ़ करना है। वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज तीसरा दिन है। मंगलवार की सुबह यात्रा नगालैंड की राजधानी कोहिमा के विसवेमा इलाके से शुरू हुई। सुबह राहुल गांधी ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और बाद में कोहिमा से अपनी यात्रा आगे बढ़ाई। राहुल गांधी ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा बीते साल हमने भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की थी और देश के लोगों, विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न धर्मों और अलग-अलग भाषाई लोगों को साथ लाने की कोशिश की थी। तभी हमें पूर्व से पश्चिम की यात्रा करने का भी विचार आया था।

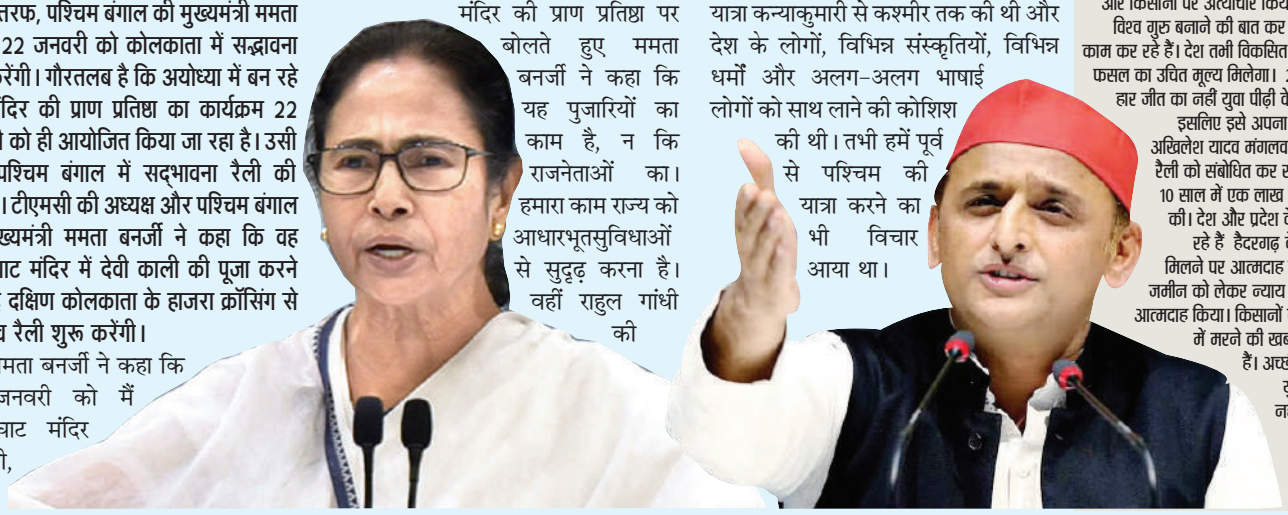

2024 नया साल ही नहीं परिवर्तन का साल : सपा

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 नया साल ही नहीं परिवर्तन का साल है। 2014 में आये लोगों को 2024 में हटाने का समय आ गया है। दिल्ली की सत्ता में बैठी सरकार ने दस साल में क्या दिया है, इस पर गौर करना होगा। गरीबों और किसानों पर अत्याचार किया। विकसित भारत और विश्व गुरु बनाने की बात कर किसानों को ठगने का काम कर रहे हैं। देश तभी विकसित होगा जब किसानों को फसल का उचित मूल्य मिलेगा। 2024 का चुनाव केवल हार जीत का नहीं युवा पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है। इसलिए इसे अपना चुनाव समझकर लड़ें। अखिलेश यादव मंगलवार को बाराबंकी में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की। देश और प्रदेश के नेतृत्वकर्ता झूठ बोल रहे हैं हैदरगढ़ के किसान ने न्याय न मिलने पर आत्मदाह कर लिया था। मेरठ में जमीन को लेकर न्याय मांगने गए किसान ने आत्मदाह किया। किसानों के आत्मदाह और थाने में मरने की खबरें यूपी में सबसे ज्यादा हैं। अच्छी डिग्री लेने के बाद भी युवाओं के हाथ रोजगार नहीं हैं। बड़ी-बड़ी संस्थाएं बेच दी। उद्योग लगाने का सपना भी दिखाया पर पूरा नहीं किया।

शर्मिला बनीं आंध्र प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वाईएस शर्मिला रेड्डी को तत्काल प्रभाव से आंध्र प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष गिदिगु रुद्र राजू कांग्रेस कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। 4 जनवरी को शर्मिला रेड्डी ने कांग्रेस की कमान संभाली थी, जिसके बाद से ही चर्चा हो रही थी कि पार्टी जल्द ही इन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है।

कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि वाईएस शर्मिला रेड्डी को तत्काल प्रभाव से आंध्र प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष गिदिगु रुद्र राजू कांग्रेस कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। चुनाव के दौरान शर्मिला रेड्डी ने कांग्रेस का समर्थन किया था और अपने पार्टी से किसी भी उम्मीदवार को चुनावी मैदान में नहीं उतारा था। इसके बाद से ही चर्चा थी कि वाई.एस. शर्मिला को कांग्रेस इसके बदले में कुछ बड़ा इनाम दे सकती है।

टीकाराम बने राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष

» गोविंद सिंह डोटासरा बने रहेंगे पीसीसी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस ने अलवर ग्रामीण के विधायक टीकाराम जूली को नेता प्रतिपक्ष बना दिया है। टीकाराम जूली राजस्थान में कांग्रेस के दलित चेहरा है। वो गहलोत की पिछली सरकार में मंत्री भी थे। टीकाराम जूली के नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की कांग्रेस की चिट्ठी जारी हो गई है। मालूम हो कि एक दिन पहले ही टीकाराम जूली के नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की चर्चा सोशल मीडिया पर बड़े जोरों से चली थी। 43 वर्षीय टीकाराम जूली अलवर ग्रामीण से विधायक हैं। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके हैं।

टीकाराम जूली का जन्म अलवर के बहरोड़ के पास काठूवास गांव में हुआ था। पहले वह कांग्रेस के अलवर जिला प्रमुख भी रह चुके हैं। टीकाराम जूली श्रम विभाग (स्वतंत्र प्रभार, कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण, सहकारिता और इंदिरा गांधी नहर परियोजना राज्यमंत्री भी रहे हैं। कुछ समय पहले जूली विवादों में आ गए थे। उन पर एक आरओ वाटर सप्लाई करने वाली कंपनी के मालिक ने 30 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। टीकाराम जूली अलवर जिले की अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा अलवर ग्रामीण से विधायक हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में टीकाराम जूली को 55.56 फीसदी यानी कि 108,584 वोट मिले थे. जबकि दूसरे नंबर पर रहे भाजपा के जयराम जाटव को 41.58 फीसदी यानी कि 81,251 वोट मिले थे। 2018 के चुनाव में भी टीकाराम जूली अलवर ग्रामीण से विधायक बने थे। जिसके बाद गहलोत सरकार ने उन्हें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और जेल कैबिनेट का मंत्री बनाया था।

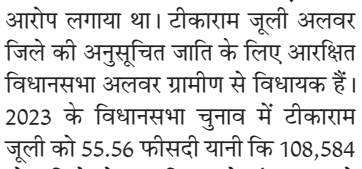

उद्योगपति के दबाव में देवड़ा को पार्टी में किया शामिल : संजय राउत

» यूबीटी के नेता का शिंदे पर आरोप, कहा- बाहरी लोगों के दबाव में हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने सनसनीखेज आरोप लगाया है। संजय राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को दिल्ली और एक उद्योगपति के दबाव के कारण मिलिंद देवड़ा को अपनी पार्टी में शामिल करना पड़ा। एकनाथ शिंदे से कहा गया कि मिलिंद देवड़ा को पार्टी में शामिल कराएं। इतना ही नहीं उन्हें राज्यसभा भेजने का भी निर्देश दिया गया है। संजय राउत मुंबई में बोल रहे थे।

संजय राउत ने कहा कि शिंदे गुट में पहले शामिल हुए कुछ लोग हमारी पार्टी, हमारी पार्टी कह रहे हैं। अब ऐसे लोगों का क्या होगा? संजय राउत ने कहा कि अगर उद्योगपतियों के दबाव में बाहर से आए लोग तुरंत आपकी पार्टी में रणनीतिक पदों पर पहुंच जाएंगे तो इस समूह का भविष्य वास्तविक नहीं है। उधर, अब सबकी निगाहें इस पर हैं कि शिंदे गुट और बीजेपी नेता राउत के आरोप का क्या जवाब देंगे। दरअसल मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा रविवार को कांग्रेस छोड़कर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हो गए थे। चर्चा है कि कांग्रेस हाईकमान ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। यह भी कहा जा रहा है कि मुंबई में कांग्रेस नेताओं से रिपोर्ट मांगी गई है।

विवादित स्थल से राम मंदिर 4 किमी दूर

संजय राउत ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर को लेकर बीजेपी पार्टी मंदिर वहीं बनाएंगे, का नारा बुलंद कर रही है लेकिन अब अयोध्या जाकर देखिये जिस स्थान पर राम मंदिर का निर्माण होना था, वहां वास्तव में मंदिर का निर्माण नहीं हुआ है। विवादित स्थल से 4 किलोमीटर की दूरी पर राम मंदिर का निर्माण चल रहा है। इसलिए संजय राउत ने दावा किया कि विवादित जगह अब भी वैसी ही है।

हिंदू समुदाय का अपमान बंद करें : फडणवीस

संजय राउत के बयान पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संज्ञान लिया। फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों का राम मंदिर आंदोलन में कोई योगदान नहीं है, वे कुछ भी आरोप लगाकर करोड़ों हिंदुओं का अपमान कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि यूटीबी सेना को हिंदू समुदाय का अपमान करना बंद करना चाहिए।

भाजपा ने दारा सिंह को बनाया एमएलसी प्रत्याशी

» 18 को भरेंगे नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान परिषद में एक सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक दारा सिंह चौहान को उम्मीदवार घोषित किया है। वह 18 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यूपी भाजपा की कोर कमेटी ने उप चुनाव के लिए पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। पैनल में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान का नाम प्राथमिकता पर था। इनके अतिरिक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा और संतोष सिंह सहित अन्य नाम शामिल थे।

केंद्रीय नेतृत्व ने दारा सिंह चौहान के नाम पर सहमति दे दी। सपा से इस्तीफा देने के बाद दारा सिंह घोसी विधानसभा क्षेत्र से उप चुनाव हार गए थे। तब से ही दारा सिंह को विधान परिषद भेजने की चर्चा चल रही है। भारत निर्वाचन आयोग ने विधान परिषद में एक सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीख में बदलाव किया है। उप चुनाव अब 29 जनवरी की जगह 30 जनवरी को होगा और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी की जगह 23 जनवरी की गई है।

यूपी की नई सियासत कहीं बन न जाए आफत!

मायावती के अकले लड़ने के एलान से पड़ेगा असर

- सपा व कांग्रेस को बनानी होती नई रणनीति
- भाजपा उठा सकती है फायदा
- उप्र कांग्रेस भी नर्म हिंदुत्व से बीजेपी को घेरेगी
- यूपी में जनाधार बढ़ाने की कोशिश में बसपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की सियासत एकबार फिर देश के राजनीतिक फलक पर छा गई है। एकतरफ जहां बसपा प्रमुख ने अकेले चुनाव लडंने का ऐलान कर दिया है। वहीं कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अयोध्या पहुंचकर राज्य में बीजपी को घरेने की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव-24 के लिए सारे सियासी दल अपने-अपने हिसाब से रणानीति बनाने में जुट गए हैं। जहां कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सहारे जनता को जोड़ने का प्रयास कर रही है तो वहीं बीजेपी राम मंदिर की ओट में जनता का वोट हथियाना चाहती है। तो बसपा अकेले ही अंबेडकर के संविधान की दुहाई देकर अगली लोक सभा चुनाव की लड़ाई लड़ने को आतुर है।

उधर यूपी की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक- पीडीए के कंधे पर चढ़कर चुनावी वैतरणी को पार करना चाहती है। दरअसल विपक्षी दलों के इंडिया एलायंस गठबंधन को बसपा सुप्रीमो मायावती ने धता बताकर बड़ी लकीर खींच दी है। शुरुआत से ही आपसी खींचतान में घिरे गठबंधन का हिस्सा बनने के बजाय बसपा अपने जनाधार को वापस लाने पर केंद्रित रहना चाहती है। मायावती का यह कदम उनके उत्तराधिकारी आकाश आनंद के राजनीतिक भविष्य के लिए भी निर्णायक साबित हो सकता है। हालांकि सियासी जानकार इस फैसले को पार्टी और कुनबे को बचाने से जोड़ रहे हैं। वहीं यूपी कांग्रेस भी भाजपा को राम मंदिर के उद्घाटन को अकेले क्रेडिट देने के मूड में नहीं है। हालांकि आलाकमान ने वहां जोन से मना कर दिया है पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वहां पर जाने से किसी कांग्रेसी को मना नही किया है पर चूकि यह एक राजनीतिक कार्यक्रम है इसलिए मै वहां नही जाऊंगा।प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि रामलला पर किसी का एकाधिकार नहीं है। हर कोई दर्शन-पूजन कर सकता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि भाजपा भगवान राम के नाम पर राजनीति कर रही है।

अपने जन्मदिन पर बसपा सुप्रीमो का कार्यकर्ताओं के नाम संदेश पूरी तरह गठबंधन को लेकर पार्टी की रणनीति पर केंद्रित रहा। उन्होंने अपने संबोधन में 13 बार गठबंधन का जिक्र किया। यूपी में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस में जारी जोर-आजमाइश में उलझने के बजाय उन्होंने खुद को किंगमेकर की भूमिका में बरकरार रखने का निर्णय लिया है। उन्होंने अपने संदेश में साफ कर दिया कि केंद्र में जिस दल की सरकार बनेगी, बसपा अपनी शर्तों पर उसे समर्थन देगी। उनके इस फैसले से इंडिया एलायंस गठबंधन को अब तक

माया के फैसले से इंडिया गठबंधन को झटका

मायावती के गठबंधन में शामिल होने से साफ इंकार करने पर विपक्षी दलों के गठजोड़ के हालात और बिगड़ सकते हैं। अब तक जो भी दल गठबंधन के साथ जाने को आतुर हैं, उनको दोबारा अपने फैसले पर विचार करना पड़ सकता है। यूं कहें कि बसपा के बिना गठबंधन को यूपी में सफलता मिलना आसान नहीं होगा। इसका प्रमाण पिछले लोकसभा चुनाव में सामने आ चुका है, जब बसपा और सपा गठबंधन ने मिलकर 15 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं अकेले चुनाव लड़ रही कांग्रेस केवल रायबरेली सीट ही बचा सकी थी। राम मंदिर की लहर में विरोधी दलों का चुनाव में खाता खुलना भी मुश्किल हो जाए, तो हैरत की बात नहीं होगी।

का सबसे बड़ा झटका लगा है, क्योंकि बिना यूपी फतह किए केंद्र में सरकार बना पाना आसान नहीं होगा। बताना जरूरी है कि अपने अब तक के अपने राजनीतिक सफर में मायावती ने सत्ता की मास्टर-की अपने पास रखने से कम कीमत पर कभी समझौता नहीं किया। उनकी पूर्व की गठबंधन की सरकारों में भी जब सत्ता का हस्तांतरण होने की नौबत आई तो बसपा ने अपने हाथ वापस खींच लिए। अपने संदेश में उन्होंने विरोधी दलों को यह भी आभास करा दिया कि उनका वोट बैंक भले की कम हुआ हो, लेकिन दलित बसपा को ही अपनी पार्टी मानते हैं। कैडर में सेंध की आशंका की वजह से उन्होंने विरोधी दलों की साजिश से गुमराह नहीं होने को लेकर आगाह भी किया। बसपा सुप्रीमो ने कांग्रेस से बातचीत की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया। इससे साफ हो गया कि बसपा को अपने पाले में करने के लिए कांग्रेस ने कोई भी ठोस पहल नहीं की। वहीं, गठबंधन के नेता के चयन को लेकर अब तक एक-राय भी नहीं बन सकी है। सियासी जानकारों के मुताबिक मायावती खुद को किसी भी अन्य दल के नेता से कमतर मानकर समझौता नहीं करेंगी। यदि कांग्रेस व अन्य दल मायावती को सम्मानजनक प्रस्ताव देते अथवा उनको अपना नेता मानने को तैयार हो जाते, तो शायद बिगड़ी हुई बात बन जाती। फिलहाल तो अब बसपा का साथ मिलना कांग्रेस और सपा के लिए दूर की कौड़ी बन गया है।

यूपी कांग्रेस के नेताओं ने सरयू में लगाई डुबकी

प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से कांग्रेस हाईकमान ने दूरी बना ली है। इसके बाद यूपी कांग्रेस के बड़े नेताओं का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को अयोध्या पहुंचा। वहां नेताओं ने सरयू नदी में डुबकी लगाने के बाद रामलला के दर्शन किए। राजनीतिक हलकों में अब यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस राम मंदिर को लेकर बैलेंस करने की कोशिश कर रही है। मप्र कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी भी कह चुके हैं कि वह भी लाखों कार्यकर्ताओं के साथ राम मंदिर के दर्शन करने जाएंगे। राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने मकर संक्रांति पर सोमवार को रामलला के दरबार में मत्था टेका। सुखद अनुभूति का अहसास बताया। विश्व में शांति का आशीर्वाद मांगा। नेताओं ने राम लला के पुजारी सत्येंद्र दास से मुलाकात की। राज्य सभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, विधायक अनुराधा मिश्रा, नीरज शर्मा, दीपक गुर्जर, सचिव सत्य नारायण, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार, मनोज गौतम, प्रदेश सचिव सच्चिदानंद, दिनेश सिंह यहां पहुंचे थे। कई नेता चार्टर्ड प्लेन और कुछ सड़क मार्ग से आए। एयरपोर्ट पर महानगर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डा. करन त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वागत हुआ। सभी सीधे सरयू तट पहुंचे और स्नान किया। इसके बाद हनुमान जी और राम लला के दर्शन किए। उनके साथ महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल, राजेंद्र प्रताप सिंह, सुनील कृष्ण गौतम, चेत नरायन सिंह, प्रवीण श्रीवास्तन, गौतम कृष्ण रानू आदि थे। इसके पूर्व रानी मऊ में दयानंद शुक्ला, पॉलिटेक्निक के पास महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती रेनू राय ने स्वागत किया। शहर की सीमा पर जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव, महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से अपने नेताओं का स्वागत किया। हनुमानगढ़ी के महंत बाबा मणिराम दास ने भी स्वागत किया।

कांग्रेस बोली- मंदिर जाना व्यक्ति की स्वतः आस्था

मंदिर के उद्घाटन के आमंत्रण को ठुकराने पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा किसी भी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर आमंत्रण का कोई भी प्रावधान नहीं है। किसी को भी मंदिर में आमंत्रित नहीं किया जाता। व्यक्ति स्वतः आस्था के साथ आता है। शीघ्र ही सोनिया गांधी जी मंदिर में दर्शन के लिए आएंगी। उनके प्रतिनिधिमंडल के रूप में ही उनका पैगाम लेकर अयोध्या की इस पावन धरती पर आए हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राम लला से देश के साथ पूरे विश्व के कल्याण का आशीर्वाद मांगा। राम सबके हैं। सबमें हैं। बोले यहां राजनीति की गुंजाइश नहीं है। राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे।

माया व अखिलेश ने कहा- बीजेपी लोकतंत्र को कमजोर कर रही

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि उनको राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण मिला है, लेकिन व्यस्तता की वजह से अभी जाने पर विचार नहीं किया है। उनकी पार्टी को इस आयोजन पर कोई आपत्ति नहीं है। भविष्य में अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनती है, तो उसमें भी हमें आपत्ति नहीं होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार धर्म और संस्कृति की आड़ में राजनीति कर रही है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होगा। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज सवाल संविधान और लोकतंत्र को बचाने का है। भाजपा की डबल इंजन सरकार में आरएसएस की विचारधारा वाले लोग हर पद पर बैठ गए हैं। जो सरकार संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुली हो उससे कैसे लड़ाई लड़ी जाय, यह सोचने का विषय है। जो राजनीतिक दल और लोग संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते है, हम उन्हीं के साथ हैं। इंडिया गठबंधन के साथ पीडीए इस बार भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त देने जा रहा है। उन्होंने कहा कि चीफ आफ द आर्मी स्टाफ ने कहा है कि 2027 तक एक लाख फौजियों की कमी हो जाएगी। भाजपा अग्निवीर योजना लाकर नौजवानों का भविष्य खराब कर दिया है। चीन हमारी सीमाओं के अंदर आ रहा है। हमारी सीमाएं असुरक्षित है और वही हमारे बाजार पर भी कब्जा कर रहा है। चीन से इस तरह दो तरह से खतरा है। यूपी को केंद्र सरकार के बजट का एक्सप्रेस-वे नहीं मिला। समाजवादी सरकार में जो बिजली घर लगना शुरू हुए थे, उनको मदद मिल जाती तो सस्ती बिजली मिलती। जनता को महंगा बिजली बिल नहीं देना पड़ता।

मंदिर के पास कांग्रेसी झंडे को लेकर मचा बवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के राममंदिर में रामलला के दर्शन करने जाने के दौरान बाहर एक कार्यकर्ता से कांग्रेसी झंडे को लेकर छीना-झपटी हुई। छीना झपटी करने वाले जय श्रीराम का नारा लगा रहे थे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय सहित अन्य नेता सरयू स्नान करके राम लला के दर्शन करने के लिए मंदिर परिसर में चले गए। इसी दौरान बाहर झंडा लेकर खड़े एक कार्यकर्ता के साथ कुछ लोगों की कहासुनी हुई। झंडे की छीनाझपटी शुरू हो गई। देर तक खींचतान चलती रही। यूपी एसएसएफ के जवानों ने पहुंचकर बीच बचाव किया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कांग्रेस का कार्यकर्ता अमेठी जिले से यहां पहुंचा था। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने बताया कि सभी लोग रामलला के दर्शन के लिए गए थे। इसी दौरान कार्यकर्ता के साथ झंडे को लेकर छीनाझपटी हुई। वह जिले का कार्यकर्ता नहीं है। प्रकरण में कोई शिकायत नहीं की गई है।

भाजपा पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के खिलाफ, यह मिलकर हरायेंगे

साक्षात्कार के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर भी करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले उत्तर प्रदेश को पैसा ही नहीं भेज रहे हैं, इस चक्कर में इस कथित डबल इंजन की सरकार में लगातार देश के सबसे बड़े राज्य की अनदेखी हो रही है। यहां की जनता को न तो इलाज मिल रहा है और न ही रोजगार। इसके अलावा सपा मुखिया ने इंडिया गठबंधन की आगे की रणनीति और लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की प्लानिंग पर भी बात की। प्रस्तुत हैं बातचीत के आगे के अंश-

सांध्य दैनिक 4PM विशेष साक्षात्कार

➢ अगर कांग्रेस बसपा के साथ चली गई और आपको छोड़ दिया, फिर क्या आपकी तैयारी है अकेले लड़ने की?

➢ राजनीति में कल क्या होगा पता नहीं। अगर राजनीति करेंगे, तो राजनीति हम भी करेंगे। मैं हर परिस्थितियों में लड़ने के लिए तैयार हूं। लेकिन मेरी तरफ से नहीं होगा कि मैं गठबंधन को तोड़ दूं, या मेरा व्यवहार खराब हो। मैं उस दिशा में काम करूंगा जिससे इंडिया गठबंधन को मजबूती मिले।

➢ ज्यादा गुस्सा कौन है? मध्य प्रदेश में आपने नाराजगी में प्रत्याशी उतार दिए?

➢ वो बात अलग थी। वो प्रदेश की बात थी। मैं भूल गया। कांग्रेस को जो लगता था, उन्होंने वो ही फैसला किया। लेकिन इन बातों से अब कोई फायदा नहीं। सच्चाई ये है कि अब बेरोजगारी बढ़ गई है। जिस मॉल में हम बैठे हैं वो समाजवादियों की देन है। मैं तब इसे सरकारी मॉल बनाकर देना चाहता था, जो प्राइवेट मॉल से भी बेहतर होता। तब इसका नाम 'शाम-ए-अवध' था। लेकिन जब सरकार बदली तो इन्होंने इसे प्राइवेट कंपनी को बेच दिया।

➢ इस मॉल को बेचने पर आरोप भी लगे थे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि मॉल बेचा गया है जिसमें कुछ लोगों को लाभ पहुंचाया गया है। क्या ऐसा हो सकता है कि डिप्टी सीएम आरोप लगा रहे हों और बिना मुख्यमंत्री को पता चले एक मॉल बिक जाए?

➢ कभी-कभी सरकार के अधिकारी और मंत्रिगण ऐसे काम करते हैं कि मुख्यमंत्री को पता ही नहीं चलता कि ये काम हो गया है। लेकिन इसका मतलब ये है कि एक-दूसरे वो लड़ रहे हैं, एक-दूसरे की पोल खोल रहे हैं। इस बात को पूरा उत्तर प्रदेश जानता है।

➢ योगी आदित्यनाथ या केशव प्रसाद मौर्य, दोनों में ज्यादा बेहतर इंसान कौन है? केशव मौर्य पर आप ज्यादा हमला करते हैं?

➢ हमें तो दोनों को ही हटाना है। मैं इस पर कुछ क्यों कहूं। रही बात केशव पर हमले की तो ये आरएसएस-भाजपा के थिंक टैंक की रणनीति है कि जब भी कोई बात कहलायी जाए तो पिछड़े नेता को आगे किया जाए।

➢ चर्चा चलती है कि दिल्ली और यूपी में लड़ाई चल रही है। क्या आपको लगता है कि वाकई में मोदी और योगी में लड़ाई है ?

➢ लड़ाई अगर नहीं होती तो अभी तक उनके (सीएम योगी) पास अपने चीफ सेक्रेटरी नहीं बन पाए, जो सरकार चलाता है। न जाने कितने अधिकारियों के सपने तोड़े हैं इन चीफ सेक्रेटरी ने। बहुत से अधिकारी कुढ़ते-कुढ़ते रिटायर हो गए, लेकिन मजबूरन कुछ नहीं कर पाए। डीजीपी नहीं दे पाई सरकार। इतनी लूट, इतना भ्रष्टाचार किसी सरकार में नहीं दिखा जितना भाजपा सरकार में दिख रहा है। चाहें सड़क हो, गौशालाएं हों, बिजली विभाग हो, चाहे स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह लूट व भ्रष्टाचार है। कोई कल्पना कर सकता है कि गरीब को इलाज ही न मिले? जबकि ये डबल इंजन की सरकार होने का दावा करते हैं। अगर ये डबल इंजन की सरकार है तो गरीबों को इलाज व दवाईयां क्यों नहीं मुहैया करा पा रहे हैं। इस सरकार ने एक भी ऐसा जिला अस्पताल नहीं बनाया, जिसमें गरीबों का इलाज हो सके। प्रधानमंत्री जी तमिलनाडु से लेकर गुजरात तक कई राज्यों में जा-जाकर निवेश ला रहे हैं वहां योजनाएं ला रहे हैं, लेकिन जिस उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें हैं, जहां से खुद पीएम सांसद हैं, उस उत्तर प्रदेश की अनदेखी क्यों की जा रही है? दिल्ली वाले यूपी को पैसा क्यों नहीं दे रहे हैं? या फिर यूपी वाले दिल्ली वालों से पैसा नहीं मांग रहे हैं। इस सरकार ने अभी तक बिजली के कारखाने भी पूरे नहीं लगा पाए हैं।

➢ जब आप मुख्यमंत्री थे तो आपने उत्तर प्रदेश के लोगों को दूसरे प्रदेशों में मौका नहीं दिया। जैसे अयोध्या में जो टेंट का काम हुआ है उसका ठेका गुजरात के ठेकेदार को दिया गया। उसकी कंपनी का शेयर पिछले एक साल में तीन सौ गुना बढ़ गया। यूपी में जितने बड़े ठेके होते हैं सब गुजरात के लोगों को दिए जाते हैं। गुजरात के लोगों का इस सरकार में कितना ध्यान रखा जा रहा है?

➢ हालांकि, इन बातों को मैं नहीं कहना चाहता। लेकिन मैं सोचता हूं कि दिल्ली और यूपी वालों को ये नहीं करना चाहिए। यूपी के कारोबारियों को मार दें और अपने राज्य के अपने ही खास लोगों को आगे बढ़ाएं, ये गलत है। गुजरात के लोगों का हम स्वागत करते हैं, लेकिन अपने ही खास को और खास बनाना गलत है। उदाहरण के लिए बनारस में टेंट सिटी बना, एक हवा का झोंका आया सारे टेंट उड़ गए, लेकिन उसकी कंपनी को मुनाफा कम नहीं होने दिया गया। सारी गंदगी मां गंगा में गिरा दी गई। अयोध्या में भी ऐसे ही टेंट सिटी बनाए जा रहे हैं। वहां मौजूद सरयू नदी हमारे लिए काफी पवित्र है और उसमें स्नान करके हम बहुत ही पुण्य पाते हैं। अगर वो गंदगी अब सरयू में जाएगी, तो सरयू को मानने वाले, आध्यात्म से जुड़ने वाले लोगों को सोचना चाहिए कि इस टेंट सिटी से उनको क्या लाभ मिलेगा। सिर्फ मुनाफे के लिए अपने खासम खास लोगों को लाभ नहीं पहुंचाना चाहिए।

➢ आप इस प्रचार तंत्र से निपटेंगे कैसे? हर घर में अयोध्या से लाकर चावल बांटे जा रहे हैं, प्रसाद बांटा जा रहा है। इस समय जो लड़ाई चल रही है वो मंडल बनाम कमंडल की चल रही है। आपको क्या लगता है इस बार मंडल भारी रहेगा या कमंडल भारी पड़ेगा?

➢ पहली बात तो जो चावल बंट रहा है वो अयोध्या से नहीं आया है। ये चावल कहीं से भी खरीद लिया और रंग लिया है। फिर इसे बांट रहे हैं। ऐसा मुझे लगता है। क्योंकि हमारा धर्म ये कहता है कि अगर कोई कह भी देता है कि वो अयोध्या से आया है, तो हम मान लेते हैं। हम उससे पूछते नहीं हैं। इसलिए भाजपा से मुकाबला करने के लिए इंडिया गठबंधन को देरी नहीं करनी चाहिए। उसी दिशा में सपा काम भी कर रही है।

➢ आप कांग्रेस को सिर्फ दो सीटों पर सीमित कर रहे हैं? उनके प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि हम 80 सीटें जीत जाएंगे?

➢ मैं कांग्रेस को दो सीटों पर सीमित नहीं कर रहा हूं। जितनी कांग्रेस पार्टी सीटें जीत सकती है उतनी बता दे, मैं उतनी ही सीटें दे दूंगा। अगर उनको लगता है कि 80 सीट जीत जाएंगे तो 80 ले लें, हम चुनाव ही नहीं लड़ते हैं। ये कोई सीरियस बात नहीं है। अगर गठबंधन में आपको लड़ना है तो सीरियस होकर बात करनी पड़ेगी।

➢ कितना अच्छा लगता अगर मणिपुर से शुरू हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी के साथ अखिलेश यादव व इंडिया गठबंधन के और भी साथी मौजूद रहते। विपक्ष की एकता की एक बड़ी तस्वीर सामने जाती?

➢ मेरी कई इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात हुई, उन सभी का कहना है कि ये कांग्रेस की यात्रा है। ये इंडिया गठबंधन की यात्रा नहीं है। तो जब यूपी में आएगी तो सपा विचार करेगी हमें कहां शामिल होना है। अगर बुलाएंगे तो। हमें तो राम मंदिर का भी निमंत्रण दिल्ली से नहीं आया, अयोध्या से आया है वो भी स्पीड पोस्ट से न कि कुरीयर से।

➢ आपको क्या लगता है कांग्रेस को इस यात्रा में शामिल होने के लिए इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को बुलाना चाहिए था?

➢ मैं इस सवाल को उनसे करने के लिए खुद को उतना समझदार और सूझबूझ वाला नहीं मानता हूं। तभी मैं कह रहा हूं मुझे न अयोध्या वालों ने बुलाया, न ही इन्होंने बुलाया। तो जब बुलाएंगे तब हम जाएंगे।

➢ भगवान से दूरी नहीं है, तो क्या इन लोगों से आपकी दूरी है?

➢ मेरी कोई दूरी नहीं है। अमेठी-रायबरेली जब यात्रा आएगी और अगर बुलाएंगे तो जरूर जाएंगे।

➢ कुछ दिन पहले काफी चर्चा रही कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन अखिलेश को बुला रहे हैं और अखिलेश जा रहे हैं। ये नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, स्टालिन और अखिलेश यादव का मिलकर एक नया मोर्चा बन रहा है। ये क्या है?

➢ ये कोई मोर्चा नहीं है, ये इंडिया गठबंधन का ही एक हिस्सा है। इंडिया गठबंधन के अंदर पीडीए हमारी रणनीति है। पीडीए को मजबूत करने के लिए हम कदम उठाएंगे। क्योंकि पीडीए ही इस देश को बचाएगा और पीडीए ही भाजपा से मुकाबला करेगा।

➢ एक ओर आप हैं आप पूजा पाठ करते हैं, नवरात्रि पर कन्याभोज खिलाते हैं। लेकिन दूसरी ओर आपकी ही पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य हैं, जो आए दिन हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान देते रहते हैं। आप और स्वामी प्रसाद की भाषा अलग-अलग है। तो क्या ये सपा की रणनीति का हिस्सा है कि सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति आप करेंगे और दूसरी ओर कहा जाता है कि पिछड़ों-दलितों को पूजा पाठ से रोका जाता है, उन्हें मंदिरों में नहीं घुसने दिया जाता है और स्टालिन वाली राजनीति स्वामी प्रसाद मौर्य करेंगे? वर्ना आप स्वामी प्रसाद को रोकते क्यों नहीं ?

➢ हमारी पार्टी में इस तरह की कोई रणनीति नहीं है। जो बातें स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहीं उसमें भाजपा की जिम्मेदारी ज्यादा है। भाजपा क्यों उन्हें उकसाती है? मुझे तो भाजपा पूजा करने से रोकती है, हवन करने से रोकती है। अगर आप स्वामी प्रसाद के बारे में बात करते हैं तो ये भी तो सोचिए कि भाजपा के बड़े नेता ने क्या कहा कि सीता मां टेस्ट ट्यूब बेबी हैं। उनके और नेता भी भगवान और साधु-संतों को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। इनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई है? जिस दिन भाजपा इन नेताओं पर कार्यवाही कर देगी, उस दिन हम भी स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक्शन ले लेंगे।

आपने इशारा कर दिया कि सपा के बिना अमेठी-रायबरेली जीतना आसान नहीं है?

मैं इशारा नहीं कर रहा हूं। मैंने इसलिए कहा कि वहां पर सपा चुनाव नहीं लड़ेगी। वहां पर सपा सहयोग करेगी। मैं सहयोग वहीं कर सकता हूं जहां पर सपा चुनाव नहीं लड़ेगी।

➢ आपकी पार्टी के लोग भी ये मान रहे हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य को ऐसा नहीं बोलना चाहिए?

➢ देखिए धर्म और पूजा पाठ सबका व्यक्तिगत विषय है। हिंदू धर्म में कोई राम की पूजा करता है, कोई कृष्ण की तो कोई देवी मां की पूजा कर रहा है। आप मुझे बाध्य नहीं कर सकते कि ये ही पूजा करोगे आप। बहुत से लोग कपड़े भी दिनों के हिसाब से पहनते हैं। सबके अपने-अपने मत हैं। लेकिन ये सब बीजेपी की रणनीति है, वो असल मुद्दों से भटकाने का काम करती है। बेरोजगारी चरम पर है, किसानों की आय दोगुनी नहीं हो रही है। अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहे हैं, पुलिस पुलिस के साथ गलत कर रही है। क्या कभी सोचा था कि उत्तर प्रदेश में ऐसा होगा? दिल्ली-लखनऊ ने मिलकर महंगाई बढ़ा दी और निवेश भी नहीं होने दिया।

➢ आपके जाने के बाद जो उजड़ा उसके लिए आप लोग क्यों नहीं कुछ कर रहे हो? रिवर फ्रंट गंदगी का ढेर हो गया, जेपीएनआईसी उजड़ा पड़ा है, आप लोग क्यों नहीं मूवमेंट कर रहे हैं? हमें पीआईएल डालनी पड़ रही है?

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपकी अच्छी चीजों से जलते हैं। इनको जय प्रकाश नारायण जी से कोई मतलब नहीं, उनके मूवमेंट में हिस्सा नहीं लिया, इसलिए उनके कद को गिराने के लिए, उनके नाम को दबाने के लिए जेपीएनआईसी को बंद कर दिया। गोमती को साफ करने के लिए जो प्लान समाजवादियों ने बनाया कि नाले नदियों में न जाएं, गंदा पानी नदियों में न जाए, अंततोगत्वा वो ही काम सरकार को करना पड़ेगा। रिवर फ्रंट के जरिए समाजवादियों ने वो ही काम करके भी दिखाया। आने वाले समय में आप देखिएगा गोमती रिवर फ्रंट चलेगा। दुख इस बात का है कि ये सरकार नाले पर रिवर फ्रंट बना रही है। जबकि अक्सर रिवर फ्रंट नदियों पर बनता है। नाले पर सिर्फ इसलिए बना रहे हैं ताकि वहां रह रहे गरीबों के घर उजाड़ सकें। मुझे उम्मीद है हाईकोर्ट उनके दुख-दर्द को समझेगा। अगर रिवर फ्रंट बनाना है तो जहां तक सपा ने बनाया है उससे आगे तक बना दें। लेकिन ये हर अच्छी चीज से चिढ़ते हैं।

➢ आपकी पिछड़े-दलित वाली गाड़ी को पंचर करने के लिए सुना है ओपी राजभर जी को बहुत बढ़िया मंत्रालय मिलने वाला है?

➢ मंत्रालय या कुर्सी कुछ भी मिल जाए, पिछड़ों को कुछ नहीं मिलने वाला। किसी एक व्यक्ति के मंत्री बन जाने से पिछड़ों का भला नहीं होगा। पिछड़ों का भला तब होगा जब उस नीयत के लोग रहें। अब तो पिछड़े ही पिछड़ों को धोखा दे रहे हैं।

➢ आप उत्तर प्रदेश में जाति जनगणना की बात कर रहे हैं, तो ये सवाल क्यों नहीं उठता कि जिसकी 5-6 प्रतिशत हिस्सेदारी है वो यहां पर और उत्तराखंड में सीएम बने बैठे हैं और जिसकी आबादी 50-60 प्रतिशत है उन्हें आप बार-बार 'स्टूल मंत्री' बताकर उनका मजाक उड़ाते हैं?

➢ सवाल ये नहीं है कि कोई स्टूल मंत्री है या क्या है। वो लोग जहां पर काम कर रहे हैं वहां गुलाम की तरह काम कर रहे हैं। आबादी गिनी जाए, जनसंख्या की गणना हो और जिसकी जितनी जाति हो, उसको उस हिसाब से सम्मान मिलना चाहिए। समाजवादियों की ये लड़ाई बहुत पुरानी है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में इस लड़ाई में हम लोग कामयाब होंगे।

➢ चुनाव सिर पर है, समाजवादी पार्टी की मुख्य रणनीति, मेन प्लानिंग क्या होगी, जिससे आपको लगता है कि लोग राम मंदिर के उफान के आगे आपको वोट करें? कौन-कौन से मुद्दे हैं जिनको लेकर सपा लोगों के बीच में जाएगी और कहेगी हमें वोट करें हम देश को ये मॉडल देंगे?

➢ देखिए, भाजपा की कोशिश है कि वो भगवान श्रीराम के नाम पर सबको अपमानित कर दें, भगवान श्रीराम के नाम पर अपना अधिकार जमा लें। लेकिन वो भगवान श्रीराम पर अपना अधिकार नहीं जमा सकते। क्योंकि भगवान राम का मर्यादा पुरुषोत्तम का जो रास्ता था, वो रास्ता भाजपा का नहीं है। भगवान श्रीराम ने जो-जो किया, पिछड़े, दबे, कुचले सबको अपने साथ लाकर लंका पर जीत हासिल की, वो रास्ता भाजपा का नहीं है। इसलिए बीजेपी कामयाब नहीं होगी। कितनी भी खुशी मना ले, लेकिन जो दूर बैठा गरीब है उसे मालूम है कि इससे उसे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। इस जश्न और खुशियों से भाजपा लोगों को गुमराह तो कर सकती है, लेकिन जब गरीब अपनी हालत को देखेगा कि उसके पास घर नहीं है, नौकरी नहीं है, उसके बच्चे बेरोजगार बैठे हैं उनके पास रोजगार नहीं है, कोई बीमार हो जाए तो इलाज कराने के लिए अस्पताल नहीं हैं और इस सरकार की जो पुलिस है वो आए दिन लोगों को मार रही है, पीट रही है, वो जनता कैसे भूलेगी। देश में महिलाएं सबसे ज्यादा आज असुरक्षित हैं। एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक, देश में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। जो सरकार कहती थी कि एक गला कटने पर हम पाकिस्तान के सैकड़ों गले काट डालेंगे। अभी हाल ही में जो घटना हुई जितने जवान घर पहुंचे उनके घर वालों से कह दिया गया कि वो उनका मुंह तक नहीं देख सकते। आप समझ सकते हैं ये कितने दुख की बात है। जबसे भाजपा की सरकार आई है तबसे आतंकवादियों ने ज्यादा हमले किए हैं और ज्यादा जवान शहीद हुए हैं। जब हम जमीन पर ये सच्चाई लेकर जाएंगे, तो लोग इसे सुनेंगे। हम जनता को ये बताएंगे कि ये मान की लड़ाई है, इसलिए चुनाव आयोग से भी हम कहेंगे कि मतदान की जगह 'मतमान' नाम कर दें। ताकि वो जिसको वोट करें वो उनका मान रखे। इस सरकार में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इतने सांसद लोकसभा में सिर्फ सवाल पूछना चाहते थे, लेकिन उन्हें लोकसभा से ही आपने बाहर कर दिया। क्या नई लोकसभा इसीलिए बनाई थी कि आप विपक्ष की आवाज ही नहीं सुनेंगे? अंग्रेजों तक ने जब संसद बनाई तो एक वेल एक स्थान दिया जहां विपक्षी सांसद जाकर आंदोलन कर सकें अपनी बात रख सकें। लेकिन आजाद भारत में जो लोकसभा बनाई गई उसमें आगे खड़े होकर विपक्ष आवाज नहीं उठा सकता। अगर आवाज उठाई तो आप उसे सदन से ही बाहर कर देंगे। ये बातें जनता के बीच में ले जाई जाएंगी। किसानों को बताएंगे कि उनकी आय दोगुनी नहीं हुई। न अस्पतला हैं, न रोजगार है, सरकारी नौकरियों में आए दिन घोटाले हो रहे हैं। ऐसे तमाम सवाल हैं जिनका जवाब भारतीय जनता पार्टी के पास नहीं है। जनता दो बार धोखा खा चुकी है, अब वक्त है जनता इनको सबक सिखाएगी। इस बार जनता इस धोखेबाज पार्टी से धोखा खाने वाली नहीं है। लोगों ने मन बना लिया है कि भाजपा को इस बार सत्ता से बाहर करके किसी अन्य पार्टी की सरकार को मौका देना है। समाजवादी पार्टी जनता के हित के लिए हमेशा तैयार है। हम जनता के बीच उन सारे मुद्दों को लेकर जायेंगे और लोगों को भाजपा सरकार की नाकामियों व उनके धोखों के बारे में बतायेंगे। हमें विश्वास है कि जनता अपनी समस्याओं को इस बार नजर अंदाज नहीं करेगी और भाजपा को सबक सिखायेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पानी को प्लास्टिक कचरे से बचाना सेहत के लिए जरूरी

समुद्री शहरों पर काफी मात्रा में पर्यटक पहुंचते हैं वह वहां पर प्रदूषण भी बढ़ाते हैं जिससे जल दूषित हो रही है। इस समस्या से बचने के लिए सरकारों को कुछ नियम बनाने चाहिए। दरअसल, यूनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट की दो साल पहले आई एक रिपोर्ट में एक वर्ष की अवधि के दौरान बोतलें बनाने वाले उद्योगों से 60 हजार करोड़ प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों के उत्पादन का आंकड़ा दुनिया के सामने लाया गया, जिनके कारण करीब 250 लाख टन प्लास्टिक वेस्ट तैयार हुआ।

दुनिया भर के समुद्री किनारों पर प्लास्टिक कचरे के बढ़ने की रिपोर्ट के बाद से पर्यावरणवीद चिंतित हो गए हैं। वैज्ञानिकों का कहना कि इससे समुद्र में प्रदूषण बढ़ेगा जिससे जलीय जन्तुओं को नुकसान होगा। जब उनका नुकसान होगा मानवीय जीवन पर भी असर होना स्वावभाविक है। यह समस्या भारत में भी तेजी पांव पसार रही है। समुद्री शहरों पर काफी मात्रा में पर्यटक पहुंचते हैं वह वहां पर प्रदूषण भी बढ़ाते हैं जिससे जल दूषित हो रही है। इस समस्या से बचने के लिए सरकारों को कुछ नियम बनाने चाहिए। दरअसल,यूनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट की दो साल पहले आई एक रिपोर्ट में एक वर्ष की अवधि के दौरान बोतलें बनाने वाले उद्योगों से 60 हजार करोड़ प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों के उत्पादन का आंकड़ा दुनिया के सामने लाया गया, जिनके कारण करीब 250 लाख टन प्लास्टिक वेस्ट तैयार हुआ।

सेहत के प्रति जागरूक रहना अच्छी बात है, लेकिन जिसे आप सेहत के लिए फायदेमंद मान रहे हों वही नुकसानदायक साबित होने लगे तो संभल जाना चाहिए। बोतलबंद पानी को सुरक्षित मानने वालों के लिए यह खबर जरूर खतरे की घंटी साबित हो सकती है जिसमें कहा गया है कि एक लीटर बोतलबंद पानी में प्लास्टिक के 2.4 लाख कण हो सकते हैं। अमरीकी वैज्ञानिकों के ताजा शोध में यह तथ्य सामने आया है कि प्लास्टिक की बोतलों या कंटेनर्स में मिलने वाला पानी पीना सेहत को खराब करने की वजह बन सकता है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि प्लास्टिक के बारीक कणों से होने वाला नुकसान एकदम सामने नहीं आता। लेकिन लम्बे समय से ये कण शरीर में पहुंच रहे हैं तो सेहत को गंभीर खतरा भी हो सकता है। बोतलबंद पानी का इस्तेमाल करने वालों में अधिकांश इस बात से बेखबर रहते हैं कि ऐसे पानी में घुलते जा रहे विषाक्त पदार्थ कई शारीरिक व्याधियों को भी न्योता दे रहे हैं। हम सब जानते हैं कि दुनिया भर में लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध कराने के नाम पर बोतलबंद पानी का कारोबार बढ़ता ही जा रहा है। अधिकांश पानी प्लास्टिक की बोतलों में ही बाजार तक पहुंच रहा है। प्लास्टिक की बोतलों से उपजे खतरे का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि यूनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट की दो साल पहले आई एक रिपोर्ट में एक वर्ष की अवधि के दौरान बोतलें बनाने वाले उद्योगों से 60 हजार करोड़ प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों के उत्पादन का आंकड़ा दुनिया के सामने लाया गया, जिनके कारण करीब 250 लाख टन प्लास्टिक वेस्ट तैयार हुआ। प्लास्टिक से लोगों की सेहत को खतरा तो है ही, चिंता की बात यह भी है कि बोतलबंद पानी के उपभोग के कारण जो प्लास्टिक वेस्ट तैयार होता है, उसके अधिकांश हिस्से का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया ही नहीं जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जहां तैयार हुए उच्च जीवन मूल्यों के शूरवीर

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

मैं उस वक्त 16 साल का भी नहीं था जब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में दाखिला मिला था और इस महीने मैं 80 बरस का हो जाऊंगा। हम चार भाई फौज में रहे, तीन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के प्रशिक्षु रहे तो चौथा इस अकादमी में प्रशिक्षक-अफसर रहा। मेरे बेटे ने भी एनडीए से प्रशिक्षण लिया है, जिसने आगे चलकर एक रेजीमेंट का बतौर कमांडेंट नेतृत्व किया। फौज में कमीशन मिलने पर मेरी नियुक्ति 63वीं कैवेलरी में हुई। अपने पांच नजदीकी रिश्तेदारों में, हम चार भाइयों, मेरे बेटे और जीजा ने भी 1971 का युद्ध लड़ा। बा-वर्दी में और बिना-वर्दी दिनों की यादें गर्माइश भरी हैं। एनडीए की वीथियों से होकर कम उम्र में फौज में आने का लाभ है यह प्रशिक्षण में बेफिक्री, भाईचारा, अनुशासन, टीम-भावना, रणनीतिक दृष्टि, प्रभावशाली रूप से समझाने की काबिलियत और लचीला रुख भर दिया जाता है। नतीजतन, हिम्मत न हारो, अनेकता में एकता और स्वयं से पहले सेवा की भावना बनती है। यह भाव 'मेरे लिए राष्ट्र सर्वप्रथम, सदैव और हरहाल में' वाला मूलमंत्र बन जाता है ।

एनडीए कोर्स में प्रवेश 'सेना बतौर एक इकाई' होता है। हालांकि इसकी संरचना लगभग एक दर्जन अलहदा विधाओं से हुई है। यह विविधता ढल जाने और सकल प्रभावशीलता में प्रवीणता बनाती है क्योंकि प्रत्येक प्रवेश संस्थान प्रशिक्षु में एक नेतृत्वकर्ता और फौजी होने के लिए जो आयाम आवश्यक है, उस हेतु विलक्षण कौशल और अनुभव से लैस कर देता है। नव फौजी अफसर पैदा करने वाली यह 'सैन्य नर्सरी' लोकतांत्रिक मूल्य भरने के लिए भी जानी जाती है, सुनने में भले ही अटपटा लगे, लेकिन एनडीए के लिए यही सच है। आज जब यह अपनी स्थापना के 75 साल पूरे कर रही है, यहां से तैयार होकर निकले प्रशिक्षुओं में जो बात सबसे निराली है, वह यह कि यहां की पढ़ाई सैन्य नेतृत्वकर्ताओं में ऐसी सपाट एवं एकांगी दृढ़ता बनाती है, जो अपने प्रशिक्षुओं को संविधान के प्रति ली सौंगध से भटकने की इजाजत नहीं देती।

1970 और 80 के बीच ऐसा वक्त था जब भारत पूरबी और पश्चिमी ओर से सत्ता पर सैन्य तानाशाह काबिज मुल्कों में घिरा था। तथ्य यह है कि, जहां हमारे पश्चिमी पड़ोसी के सैन्य प्रशिक्षण संस्थान भावी सैन्य-तानाशाह

तैयार करते हैं वहीं एनडीए की टकसाल में निरोल पेशेवर फौजी ढलते हैं, जो अपने देश और मातहतों के हितार्थ अपनी जान को जोखिम में डालने को तत्पर रहते हैं, यह जज्बा एनडीए के आदर्श वाक्य 'सेवा परमोधर्म:' या 'स्वयं से पूर्व सेवा' को सही मायने में चरितार्थ करता है। दुनियाभर में औपनिवेशिक दासता से मुक्त हुए अनेकानेक मुल्कों की फौज में यह लिप्सा कभी न कभी तारी हो गई। हमारे संस्थानों में सेना एक जीता-जागता उदाहरण है, जिसके आदर्शों को स्वरूप देश के संस्थापकों ने दिया था। केवल एक आदर्शवादी ही देश के लिए जान देने के लिए तैयार-बर-तैयार रहता है और सेवानिवृत्ति उपरांत घर पर अपने पोते-पोतियों को गाथाओं से प्रेरित करता है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में अंतर्निहित रहे कालजयी आदर्शवादी मूल्य और रिवायतों की हमारी सेना मुंह बोलता उदाहरण है। इस खासियत ने एनडीए और इस जैसे अन्य भारतीय सैन्य संस्थानों को विश्व की सर्वोत्तम रक्षा सेवा प्रवेश अकादमियों में स्थान दिलवाया है, जहां पर बिना अपवाद भावी पेशेवर फौजी अफसर तैयार किए जाते हैं। और, बेशक, उनमें कुछ ने खुद को विश्व-स्तरीय सैन्य कमांडर एवं रणनीतिज्ञ सिद्ध कर दिखाया है। भारत ने जितने युद्ध लड़े हैं उनमें सबमें सैन्य बलों का व्यवहार, अपने-अपने प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा भरे गए मूल्यों के प्रति सर्वोत्तम प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। यदि भारतीय सेना ने बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़े युद्ध के बाद, नव-स्थापित आजाद सरकार की 'सहायता' के नाम पर वहीं न बने रहकर, शीघ्र वतन वापसी करी, तो इसके पीछे बहुत श्रेय जाता है दिवंगत जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) सैम मानेकशॉ के मूल्यपरक नेतृत्व गुणों को, यह वह सबक है जिस पर एनडीए के वर्तमान और पूर्व-प्रशिक्षकों को नाज है।

1971 के घटनाक्रम को अक्सर 'न्याय युद्ध' वह लोग कहते हैं जिनको अटल विश्वास है यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना द्वारा बरपाए नरसंहार और बलात्कारों के प्रतिकर्म स्वरूप की गई थी। इसने बांग्लादेश को आजादी दिलवाई और अपने लोगों को भावी हिंसा से बचाया। 'जायज और नाजायज युद्ध' नामक शोध पर किताब के लेखक माइकल वॉल्जर के अनुसार यह लड़ाई 20वीं सदी के तमाम युद्धों में सही मायनों में मानवीय आधार पर की गई एकमात्र सैन्य दखलअंदाजी थी। और इस न्याय युद्ध में भाग लेने वाले अफसरों और अन्य साथी फौजियों की नैतिकता की रीढ़ के पीछे एनडीए प्रदत्त मूल्य थे।

मार्मिकता के साथ शहद वाले तंज का शायर

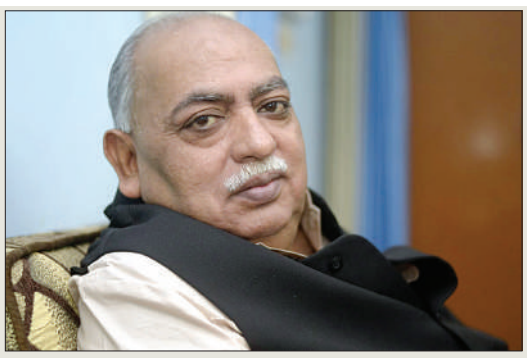

लखनऊ में मुनव्वर राणा की रूह बाकी है जो सदा यहीं रहेगी। सबको अकेला छोड़कर उर्दू साहित्य का विशाल वटवृक्ष रविवार की सर्द शाम को नवाबों के शहर लखनऊ में ढह गया। छब्बीस नवंबर, 1952 को उत्तर प्रदेश के जिले रायबरेली में जन्मे मशहूर शायर 'मुनव्वर राणा' ने एक अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। खुदा ने उनके निधन की वजह दिल के दौरे के रूप में मुकर्रर की। जबकि थे कैंसर से पीड़ित। उनके न रहने की खबर पर बड़ी-बड़ी हस्तियों ने दुख जताया। मुनव्वर के निधन से न सिर्फ उर्दू-साहित्य को नुकसान होगा, बल्कि अवधी-हिंदी भाषा को भी गहरा धक्का लगेगा। विश्व पटल पर उन्हें अवधी का खूब प्रचार-प्रसार किया। उर्दू शायरी में नया प्रयोग करके उन्होंने देशी भाषाओं को अपनी जुबान बनाई थी।

डॉ. रमेश ठाकुर

मशहूर शायर मुनव्वर राणा अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे। उनके शेर, उनकी नज़्में, उनकी मासूम-सी मुस्कुराहट के पीछे छिपे शहद वाले तंज सबको अपना बनाते थे। सहमति-असहमति के दौर में उन्हें कुछ लोगों ने बुरा समझा। उर्दू जुबान का अपने दौर का सबसे बड़ा शायर अब यादों में, बातों में, महफिलों में और किस्सों में रहेगा। लखनऊ में मुनव्वर राणा की रूह बाकी है जो सदा यहीं रहेगी। सबको अकेला छोड़कर उर्दू साहित्य का विशाल वटवृक्ष रविवार की सर्द शाम को नवाबों के शहर लखनऊ में ढह गया। छब्बीस नवंबर, 1952 को उत्तर प्रदेश के जिले रायबरेली में जन्मे मशहूर शायर 'मुनव्वर राणा' ने एक अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर दुनिया को अलविदा कह दिया। खुदा ने उनके निधन की वजह दिल के दौरे के रूप में मुकर्रर की। जबकि थे कैंसर से पीड़ित। उनके न रहने की खबर पर बड़ी-बड़ी हस्तियों ने दुख जताया। मुनव्वर के निधन से न सिर्फ उर्दू-साहित्य को नुकसान होगा, बल्कि अवधी-हिंदी भाषा को भी गहरा धक्का लगेगा। विश्व पटल पर उन्हें अवधी का खूब प्रचार-प्रसार किया। उर्दू शायरी में नया प्रयोग करके उन्होंने देशी भाषाओं को अपनी जुबान बनाई थी।

राणा की कही प्रत्येक शायरी-कविता में ऐसी तल्खियां होती थीं, जो सियासतदानों को हमेशा नागवार गुजरी। उनकी प्रस्तुति में झलकता अलहदापन सुनने वालों को अपनी ओर खींचता था। मुनव्वर राणा का जन्म बेशक उत्तर प्रदेश में हुआ, लेकिन ज्यादा वक्त उन्होंने कोलकाता में ही बिताया। बचपन में वह बेहद शरारती रहे। वह शुरू से ही हट्टे-कट्टे थे। पहलवानी का भी शौक था लेकिन बाद में त्याग दिया। राणा का इंतजार 'पहलवानी का अखाड़ा' नहीं, बल्कि 'साहित्य जगत' कर रहा था। कविताओं ने ही उनको 'मुनव्वर राणा' के साथ स्थापित किया।

ये नाम उर्दू-साहित्य में सदैव अदब-सम्मान से लिया जाता रहेगा। साहित्य के अलावा अन्य सामाजिक मसलों पर उनकी बेबाक टिप्पणियां भी जगजाहिर रहीं। शायरी में मुनव्वर को सबसे ज्यादा शोहरत 'मां' के स्नेह और रिश्तों पर उकेरी कविताओं से ही मिली। मां की ममता को दर्शाने वाली कविता की एक लाइन हमेशा सभी के दिलों में जिंदा रहेंगी। 'किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुकां आई, मैं घर में सबसे छोटा था मेरे हिस्से में मां आई।'

इन लाइनों में भावुकता और मार्मिकता का ऐसा संगम समाहित है जिसे सुनकर संवेदनाएं उमड़ती हैं। शायरी के लिए सजने वाली कोई ऐसी महफिल नहीं होती थी जिसे वह अपनी शायरी से न लूटते हों? महफिलों के अनगिनत किस्से उनसे जुड़े हुए हैं। हैदराबाद के एक मुशायरे में अपने कलाम के बारे में एक दफे कहा था कि 'वह गजल को कोठे से उठाकर मां तक ले आए हैं'। वह एक ऐसा संदेश था जिसने सीधे राजनीति पर प्रहार किया था। वहीं, दुबई में एक मुशायरे में जब उन्होंने एक मां पर लिखी शायरी की एक लाइन पढ़ी, तो वहां बैठे दूतावास के एक बड़े अधिकारी बिलख-बिलख कर रोने लगे। वहीं राणा बेबाक राजनीतिक बयानबाजी को लेकर बीते कुछ वर्षों से ज्यादा चर्चाओं में थे।

इसके अलावा उन्हें वर्ष 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था जिसे बाद में उन्होंने लौटा दिया था। तब से वह कुछ ज्यादा ही सियासतदानों के निशाने पर आ गए। दरअसल, उनकी बयानबाजियां ही उन्हें हमेशा परेशान करती रहीं। गले के कैंसर से पीड़ित 71 वर्षीय इस शायर का विवादों से कभी नाता छूटा ही नहीं? हालांकि, उनके विवाद इसलिए कमतर आंके जाते हैं क्योंकि उन्होंने उर्दू साहित्य विधा पर अमिट छाप छोड़ी। उनके जाने से उर्दू-साहित्य को नि:संदेह बड़ी क्षति होगी। मुनव्वर की बड़ी खासियत थी कि वह उर्दू के बड़े शायर होते हुए भी अपने शेरों में अवधी और हिंदी जमकर प्रयोग करते थे। इसी वजह से उनकी लोकप्रियता और तेजी से बढ़ी। उम्दा शैली का ऐसा शायर शायद ही अब कभी संसार को नसीब हो। उन्हें सिर्फ भारतीय श्रोता ही पसंद नहीं करते थे, समूचा संसार उनकी कविताओं को सुनने के लिए बेताब रहता था। 'हम नहीं थे, तो क्या कमी थी यहां। हम न होंगे तो क्या कमी होगी।' शायर मुनव्वर राणा का ये शेर उनके इंतकाल पर याद किया जा रहा है।

ग्रीन हाइड्रोजन से दुनिया के सपने होंगे साकार : अडानी

विश्व आर्थिक मंच की 54वीं वार्षिक बैठक में गौतम अडानी ने साझा किए विचार

बोले- जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में शून्य कार्बन भविष्य की ओर अंतिम कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 54वीं वार्षिक बैठक के लिए अपने ब्लॉग में भारत जैसे देशों के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने में ग्रीन हाइड्रोजन के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने लिखा इसी से दुनिया के सपने भी साकार होंगे। ब्लाग को शीर्षक लागत कम करना, शुद्ध शून्य की राह पर हरित हाइड्रोजन का लाभ उठाने की कुंजी से लिखा गया है। इसमे लिखा है कि जीवाश्म ईंधन के प्रमुख विकल्प के रूप में हरित हाइड्रोजन की व्यवहार्यता और क्षमता को दर्शाते हैं क्योंकि दुनिया एक स्वच्छ और नवीकरणीय भविष्य की ओर संक्रमण करना चाहती है।

डबल्यूईएफ वेबसाइट पर प्रकाशित ब्लॉग में पर्यावरण के साथ-साथ भारत के विकास के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के लाभों को नोट किया गया है। यह शून्य उत्सर्जन वाले स्वच्छ ईंधन के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन की व्यवहार्यता पर प्रकाश डालता है। ग्रीन हाइड्रोजन दुनिया भर में कार्बन तटस्थता के सपने को साकार करने की कुंजी होगी। हाइड्रोजन को एक संभावित ऊर्जा भंडारण माध्यम के रूप में जाना जाता है और यह एकमात्र अपशिष्ट उत्पाद के रूप में पानी के साथ ईंधन कोशिकाओं में बिजली का उत्पादन कर सकता है। इसलिए, इसकी क्षमता को पूरी तरह से समझने के लिए, ब्लॉग उत्पादन की लागत को कम करने, विभिन्न नीति समर्थन उपायों और ग्रीन हाइड्रोजन को किफायती बनाने के लिए संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को शामिल करके ऊर्ध्वाधर एकीकरण के दृष्टिकोण को अपनाने के लिए इसे व्यापक रूप से अपनाने के महत्व पर जोर देता है। पिछड़े एकीकरण वाली कंपनियां ही दुनिया को किफायती हरित अणु उपलब्ध कराने में सक्षम होंगी। व्यापक रूप से अपनाने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की लागत मौजूदा 3-5 प्रति किलोग्राम (किग्रा) से घटकर .1/किलोग्राम होनी चाहिए।

ग्रीन हाइड्रोजन के प्रयोग से भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता में होगा सुधार

ग्रीन हाइड्रोजन को एक न्यायसंगत समाधान के रूप में उजागर करते हुए, अडानी कहते हैं, भारत के लिए, न्यायसंगत समाधान एक जीवाश्म ईंधन को दूसरे के साथ बदलना नहीं है, बल्कि नवीकरणीय और हरित हाइड्रोजन की ओर छलांग लगाना है, सौर लागत में कमी को हरित हाइड्रोजन के साथ दोहराया जा सकता है। इस बदलाव से भारत को ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने और अपने शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। यह उर्वरकों में एक महत्वपूर्ण घटक, आयातित अमोनिया की कीमतों की अनिश्चितताओं को दूर करके खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह दुनिया को जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से बचने का मौका देगा। ब्लॉग उभरते ऊर्जा प्रतिमान द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों को नेविगेट करने के लिए नेताओं, नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है। यह कल के ऊर्जा परिदृश्य को आकार देने में हरित हाइड्रोजन की भूमिका की गहरी समझ हासिल करने के इच्छुक पाठकों के लिए उपलब्ध है।

ग्रीन हाइड्रोजन में अडानी बढ़ाएंगे निवेश

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन और उससे जुड़े टिकाऊ डेरिवेटिव का उत्पादन करने के लिए एंड-टू-एंड समाधान विकसित कर रही है। एएनआईएल की 1 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) हरित हाइड्रोजन की पहली परियोजना गुजरात में चरणों में लागू की जा रही है। शुरुआती चरण में वित्त वर्ष 2027 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बाजार की स्थितियों के आधार पर, एएनआईएल का लक्ष्य अगले 10 वर्षों में लगभग 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ हरित हाइड्रोजन की क्षमता को 3 एमएमटीपीए तक बढ़ाना है।

पीएम मोदी डिग्री मामले में केजरीवाल व संजय सिंह को बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जहां से दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और जेल में बंद आप सांसद संजय सिंह को बड़ी राहत मिल गई है। दोनों को तात्कालिक राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगाा दिया है। जस्टिस बीआर गवाई और संदीप मेहता की पीठ ने संजय सिंह की उस याचिका को खारिज कर दिया। जिसमें उन्होंने कोर्ट की कार्रवाई को गुजरात से बाहर करने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से गुजारिश कि स्टे की अपील या कम से कम अंतरिम राहत पर चार सप्ताह के भीतर सुनवाई करे। पीएम की डिग्री की जानकारी मांगने वाला मामला सात साल पुराना है। दरअसल अप्रैल 2016 में, केंद्रीय सूचना आयोग ने केजरीवाल से उनके चुनावी फोटो पहचान पत्र ईपीआईसी) के बारे में जानकारी मांगी थी। इसी दौरान केजरीवाल ने आयोग से कहा था कि वह सीआईसी को अपने बारे में आवश्यक जानकारी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि पीएम को भी उनकी शैक्षिक डिग्री के विवरण का खुलासा करने के लिए कहा जाना चाहिए। केजरीवाल के जवाब को सीआईसी ने बतौर एक नागरिक का आरटीआई आवेदन माना।

घूस लेते नगर निगम की महिला बाबू गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के जोन छह के दफ्तर में तैनात महिला बाबू नीलम साहू को एंटी करप्शन की टीम ने मंगलवार को 25 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा। नगर निगम प्रशासन ने नीलम को निलंबित कर दिया है। गृहकर नामांतरण के नाम पर पैसा मांगने के मामले में जोनल ऑफिस के अंदर एंटी करप्शन की टीम ने पिछले दो माह में यह दूसरी कार्रवाई की है। जानकारों का कहना है कि नगर निगम में किसी महिला कर्मचारी के घूसखोरी के मामले में पकड़े जाने का यह पहला मामला है।

नगर निगम के जोन छह में आने वाले गढ़ीपीर खां वार्ड के एक मकान के गृहकर नामांतरण के नाम पर लिपिक नीलम साहू के घूस मांगने की शिकायत एंटी करप्शन में की गई थी। शिकायत के बाद टीम ने जाल बिछाया था।

मंगलवार को नीलम को दफ्तर में पैसे लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। जोन में तैनात अन्य कर्मचारी कुछ समझ पाते, टीम नीलम को गाड़ी में बैठाकर चली गई। एंटी करप्शन टीम ने वजीरगंज थाने में केस दर्ज कराया। कर्मचारी को गिरफ्तार कर वजीरगंज थाने ले जाने की जानकारी एंटीकरप्शन की टीम ने जोनल अफसर मनोज यादव को दी। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने नीलम साहू को निलंबित कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी शिवलिंग वाली जगह की साफ-सफाई करने की इजाजत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ज्ञानवापी केस में सुप्रीम कोर्ट से हिंदू पक्ष को राहत मिली है। अदालत ने हिंदू पक्ष की ओर से दायर एक याचिका को स्वीकार कर लिया है। याचिका में मस्जिद के वजूखाना के पूरे क्षेत्र की सफाई करने और स्वच्छता की स्थिति बनाए रखने के निर्देश देने की मांग की गई थी। अदालत ने हिंदू पक्ष को वजूखाने की सफाई की अनुमति दे दी है। इससे पहले, अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सर्वे की रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक ना करने के आदेश दिए थे।

कोर्ट का आदेश है कि 24 जनवरी तक न तो सार्वजनिक की जाएगी और न ही मंदिर या मस्जिद पक्ष को दी जाएगी। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश ने शनिवार को यह आदेश दिया था।

जिलाधिकारी की देखरेख में सफाई की इजाजत

अदालत ने कहा कि सफाई कार्य जिलाधिकारी की देखरेख में होना चाहिए। दरअसल, हिंदू पक्ष ने वजूखाने को खोलकर वहां सफाई की मांग की थी। इस मांग का मस्जिद पक्ष ने भी विरोध नहीं किया। वजूखाने में शिवलिंग जैसी रचना मिलने पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से जगह सील की गई थी। बता दें कि वजूखाने में ही शिवलिंग मिलने का दावा किया जाता है।

20 जनवरी को अखिलेश, ओवैसी के खिलाफ लंबित याचिका पर सुनवाई

उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ याचिका पर 20 जनवरी को सुनवाई होगी। दोनों नेताओं के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की गई है। अखिलेश और ओवैसी पर ज्ञानवापी को लेकर अपने बयान से हिंदुओं की आस्था को चोट पहुंचाने का आरोप है।

चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सीजेआई करेंगे सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सुनवाई करेंगे। दरअसल दो जजों की पीठ ने याचिका पर अलग-अलग फैसला दिया। जिसके बाद पीठ ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है। याचिका में पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू ने स्किल डेवलेपमेंट घोटाले के मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है।

एफआईआर रद्द करने की मांग वाली रिट पर जज एकमत नहीं

याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज जब पीठ ने फैसला सुनाया तो दोनों जजों ने अलग-अलग फैसला दिया और उनके फैसले में सहमति नहीं बन पाई। जिसके बाद पीठ ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के पास भेज दिया है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के लागू होने को लेकर सहमत नहीं हो सकी। इस धारा के तहत जांच शुरू करने से पहले मंजूरी लेने का प्रावधान है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस का मानना था कि तेदेपा चीफ चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले मंजूरी ली जानी चाहिए थी।

सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में किया कमाल

» पुरुष एकल के दूसरे राउंड में बनाई जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने बड़ा उलटफेर किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। मुख्य दौर के पहले राउंड में उन्होंने 27वीं रैंकिंग वाले एलेक्सजेंडर बबलिक को हराया है। नागल ने यह मैच सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 7-6 से जीता। एलेक्सजेंडर को इस टूर्नामेंट में 31वीं वरीयता मिली है।

सुमित ने दूसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के मुख्य दौर में जीत हासिल की है। इससे पहले 2020 यूएस ओपन में वह मुख्य ड्रॉ में एक मैच जीतने में सफल रहे थे। उन्होंने सातवीं बार टेनिस रैंकिंग में शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ी को हराया है। वहीं, विपक्षी खिलाड़ी की रैंकिंग के लिहाज से यह सुमित की दूसरी बड़ी जीत है। सुमित ने शानदार शुरुआत की और पहले सेट से ही अपना दबदबा बनाया। उन्होंने तीन एलेक्सजेंडर की सर्विस ब्रेक की और पहला सेट आसानी से 6-4 के अंतर से जीत लिया। दूसरे सेट में वह और भी बेहतरीन लय में दिखे। एलेक्सजेंडर बुबलिक ने कुछ गलतियां भी कीं और इसका फायदा उठाते हुए नागल ने दूसरा सेट 6-2 के अंतर से जीत लिया।

तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली और टाई ब्रेक में नागल ने जीत हासिल की। उन्होंने यह सेट 7-6 से जीता और मैच भी अपने नाम कर लिया।

1989 के बाद पहली बार किसी भारतीय खिलाड़ी ने किया कारनामा

नागल 2013 के बाद एकल के दूसरे राउंड में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। सोमदेव देवबर्मन ने 2013 में दूसरे दौर में जगह बनाई थी। 1989 के बाद पहली बार किसी भारतीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के एकल मैच में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराया है। 1989 में रमेश कृष्णन ने ऐसा किया था। तब उन्होंने दूसरे दौर में स्वीडन के मैट्स विलेंडर को हराया था। विलेंडर तब टेनिस रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी थे।

'मोदी और आरएसएस के कार्यक्रम में नहीं जाएंगे'

राहुल गांधी बोले- हिंदू धर्म के सबसे बड़े गुरुओं ने भी कहा 22 जनवरी का कार्यक्रम राजनीतिक कार्यक्रम

» मुझे धर्म का फायदा नहीं उठाना, हम सभी धर्मों के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा। राहुल गांधी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बीजेपी व आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुझे धर्म का फायदा नहीं उठाना, हम सभी धर्मों के साथ है। कांग्रेस सांसद व नेता ने कहा आरएसएस और भाजपा ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को पूरी तरह से राजनीतिक नरेंद्र मोदी कार्यक्रम बना दिया है। यह आरएसएस और भाजपा का कार्यक्रम है और मुझे लगता है कि इसी वजह से कांग्रेस अध्यक्ष इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं।

हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। यहां तक की हिंदू धर्म के सबसे बड़े गुरुओं ने भी अपने विचार सार्वजनिक किए हैं और कहा है कि 22 जनवरी का कार्यक्रम राजनीतिक कार्यक्रम है। ऐसे में हमारा ऐसे कार्यक्रम में जाना मुश्किल है, जिसे प्रधानमंत्री और आरएसएस के इर्द-गिर्द बनाया गया है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा, वह चाहते थे कि वह पैदल ही यह पूरी यात्रा करें, लेकिन तब यह बहुत लंबी होती और इतना समय भी नहीं था। इसलिए हम हाइब्रिड यात्रा कर रहे हैं।

पीएम बिना सोचे वादे करते हैं

राहुल गांधी ने इंडो-नागा राजनीतिक विवाद पर कहा मैंने कई नगा नेताओं से इस मुद्दे पर बात की है और उनका कहना है कि वह भी हैरान हैं कि बात आगे क्यों नहीं बढ़ी। हमें ये भी नहीं पता कि पीएम मोदी इसका हल निकालने के लिए क्या कर रहे हैं। यह मुद्दा एक समस्या है और इसे सुलझाने के लिए चर्चा की जरूरत है। जहां तक प्रधानमंत्री की बात है तो इसकी साफ कमी है। पीएम बिना सोचे वादे करते हैं और मुझे पता है कि लोग इसे लेकर नाराज हैं क्योंकि बीते नौ सालों से कुछ नहीं हुआ है।

विपक्षी गठबंधन को यात्रा से मिलेगी मजबूती

विपक्षी गठबंधन पर राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी गठबंधन मजबूती से काम कर रहा है। यह यात्रा भी एक विचारधारा की यात्रा है। देश में काफी अन्याय हुआ है और हम इसे लेकर ही यात्रा निकाल रहे हैं।

कोहिमा में युद्ध स्मारक पर पहुंचे राहुल गांधी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी मंगलवार को नगालैंड की राजधानी कोहिमा में स्थित युद्ध स्मारक पहुंचे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना को खदेड़ने वाले सहयोगी देशों के सैनिकों की याद में यह स्मारक बना है। यहां कई सैनिकों का अंतिम संस्कार हुआ था। कोहिमा में राहुल गांधी ने लोगों के जनसमूह को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर आप एक छोटे राज्य से हैं तो भी आपके पास देश के अन्य राज्यों जितने ही अधिकार हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा का विचार यही है।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ही आया था इस यात्रा का ख्याल

राहुल गांधी ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा किबीते साल हमने भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की थी और देश के लोगों, विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न धर्मों और अलग-अलग भाषाई लोगों को साथ लाने की कोशिश की थी। तभी हमें पूर्व से पश्चिम की यात्रा करने का भी विचार आया था।

राहुल के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ता : राजीव चंद्रशेखर

राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार (16 जनवरी) को कहा कि भारत के लोग काफी समझदार हैं और वे राहुल गांधी की राजनीति को समझते हैं। उन्होंने कहा, मेरी राय में, राहुल गांधी इसी ला-ला दुनिया में रहते हैं। हम यह फैसला भारत की जनता पर छोड़ेंगे कि उन्हें राहुल गांधी को क्या जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, राहुल गांधी कुछ भी सोचें उससे फर्क नहीं पड़ता, कुछ समय पहले उनके गुरु ने भी ऐसे ही बातें कहीं थीं लेकिन हमारे लिए यह आस्था से जुड़ा है, राहुल गांधी और कांग्रेस को राम मंदिर के लिए सोचने दीजिए, क्या सोच रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आगे कहा, वे कुछ भी कहें, पूरा देश जानता है कि वे (कांग्रेस) पिछले 65 सालों से गरीबों पर क्या अत्याचार कर रहे हैं, पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद ही 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ सके तो कौन न्याय कर रहा है और कौन अन्याय कर रहा है, पूरा देश जानता

है। उन्होंने आगे कहा,लेकिन अगर वे अपनी यात्रा को न्याय यात्रा कहना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कांग्रेस राम मंदिर उद्घाटन में शामिल होगी या नहीं, यह आस्था का मामला है।

फोटो : 4पीएम

यात्रा 'संविधान बचाओ देश बचाओ' समाजवादी पीडीए यात्रा को आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हरी झंडी दिखाकर पार्टी कार्यालय से रवाना किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी समेत बड़ी संख्या में नेता व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। यह यात्रा 17 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगी।

सीट शेयरिंग पर चल रही है बातचीत : लालू यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार की महागठबंधन सरकार में शामिल दलों के बीच सीटों का बंटवारा होना है। हालांकि अभी तक यह नहीं हो सका है। लगातार कहा जा रहा है कि महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंस रहा है। वजह है कि महागठबंधन में शामिल अलग-अलग पार्टियां अपने-अपने अनुसार सीटें मांग कर रही हैं। इस बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बड़ा बयान सामने आया है।

बुधवार (17 जनवरी) की सुबह लालू यादव ने पत्रकारों को सीट शेयरिंग पर जवाब दिया। सीट शेयरिंग में हो रही देरी पर लालू यादव ने कहा कि इतना जल्दी हो जाता है? भीतर में सब हो रहा, इस सवाल पर कि कहा जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार नाराज चल रहे हैं, आपने मकर संक्रांति पर इस बार टीका नहीं लगाया उनको इस पर लालू यादव ने कहा कि यह सब अलग बात है।

22 जनवरी के बाद अयोध्या दर्शन करने जाऊंगा : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनेता शरद पवार 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के चीफ ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मिले न्योते के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दिन बड़ी संख्या में दर्शनार्थी भगवान राम के लिए दर्शन के लिए पहुंचेंगे। ऐसे में 22 जनवरी के बाद ही भगवान श्रीराम के दर्शन कर पाना आसान होगा। इसके साथ ही शरद पवार ने यह भी कहा कि वह जल्द ही अयोध्या आएंगे।

शरद पवार ने अपनी स्टेटमेंट में भगवान राम को दुनियाभर में करोड़ों लोगों की आस्था और भक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राम भक्तों के अंदर काफी उत्साह है और इस वजह से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। ऐसे में 22 जनवरी के बाद दर्शन कर पाना आसान होगा।

राहुल गांधी की कोई सुनने वाला नहीं : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज (17 जनवरी) प्रतिक्रिया दी और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने परोक्ष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब पार्टी (कांग्रेस) अपने ही नेता के साथ अन्याय करें और राम भक्तों को भगवान राम से दूर रखें तो राम भक्त कहां उनकी सुनने वाले हैं। अनुराग ठाकुर ने आगे इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा,घमंडिया गठबंधन के नेताओं ने कभी सनातन धर्म को कुचलने की बात कही। हिंदुओं के बारे में अनाब-सनाब बयान दिया।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, एक अफसर की मौत

» सो रहे सुरक्षाकर्मियों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। एक रिपोर्ट के मुताबिक हथियारबंद बदमाशों ने बुधवार को मणिपुर के मोरेह में सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया। इसके परिणामस्वरूप एक सीडीओ अधिकारी की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

बुधवार सुबह करीब 4 बजे एमा कोंडोंग लैरेम्बी देवी मंदिर के पास हथियारबंद बदमाशों ने सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला कर दिया, जब वे सो रहे थे। इंडिया टुडे एनई की रिपोर्ट के अनुसार, बदमाशों ने हमले के लिए चिकिम गांव की पहाड़ी की चोटी से रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और लाइव राउंड का इस्तेमाल किया। आईआरबी पोस्ट से सिर्फ 20 मीटर की दूरी पर स्थित असम राइफल्स ने बुलेट-प्रूफ वाहनों का उपयोग करके क्षेत्र की रक्षा की और आईआरबी कर्मियों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई की।

रिपोर्ट के अनुसार, एमा कोंडोंग लैरेम्बी आईआरबी पोस्ट पर शुरुआती हमले के बाद, सशस्त्र बदमाशों ने सुबह करीब 5:10 बजे एसबीआई बैंक बिल्डिंग देखुनाई रिज़ॉर्ट में तैनात सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए एक और हमला किया।

अभी चार-पांच दिन यूपी को ठिठुराएगी शीतलहर

» कोहरे व गलन की चपेट में उत्तर भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पहाड़ से लेकर मैदान तक जमा देने वाली ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। घने कोहरे के साथ भीषण शीतलहर ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। दृश्यता कम होने से यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई है।

दिल्ली में 380 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है, 35 को रद्द करना पड़ा जबकि 125 ट्रेनें विलंब से चलीं। हरियाणा के महेंद्रगढ़ और पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर में पारा शून्य से नीचे चला गया। अन्य कई शहरों में भी ऐसा ही हाल रहा। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, उत्तर भारत में अगले पांच दिन घने कोहरे की स्थिति रहने की संभावना है। मैदानी इलाकों में दो दिन भीषण ठंड पड़ सकती है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत को पांच दिन शीतलहर से मुक्ति नहीं मिलेगी। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में प्रचंड शीतलहर का प्रकोप भी रह सकता है।

सुबह के समय उत्तर से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक घना कोहरा छाया रहा। वाराणसी में मंगलवार सुबह 5:30 बजे दृश्यता शून्य दर्ज की गई। लखनऊ में 25 मीटर और ग्वालियर में दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।